BSES

बीएसईएस फिर लेकर आई सीएफएल स्कीम, भारी छूट का लाभ उठाएं

सुरक्षित सीएफएल डिस्पोजल योजना लॉन्च, खराब सीएफएल व बल्ब जमा कराने पर भी पाएं छूट

- दो सीएफएल की खरीद पर 140 रूपये तक की छूट पाएं
- खराब बल्ब/सीएफएल जमा कराएं, और नए सीएफएल खरीदने पर पाएं 5 से 12 रूपये तक की अतिरिक्त छूट
- हर सीएफएल पर 1 साल की रिप्लेसमेंट वॉरंटी
- तीन रंगों में मिलेंगे सीएफएल
- आईएस/ आईएसओ 9001 कंपनी *फिनोलेक्स* के साथ समझौता

नई दिल्ली, 27 जून, 2008। बिजली बचत के मोर्चे पर बीएसईएस एक बार फिर सकिय हो गई है। लेकिन इस बार खासियत सिर्फ यही नहीं है कि बीएसईएस उपभोक्ताओं को सीएफएल की खरीद पर भारी छूट दी जाएगी। सीएफएल की खरीद पर उन्हें भारी छूट जरूर मिलेगी, लेकिन साथ ही यदि वे अपने खराब/पुराने सीएफएल या बल्ब को बीएसईएस काउंटरों पर जमा कराते हैं, तो उन्हें अतिरिक्त छूट भी दी जाएगी। बीएसईएस उपभोक्ता दो सीएफएल के पैक की खरीद पर 140 रूपये तक की छूट पा सकते हैं। वहीं, प्रत्येक पुराने/खराब सीएफएल या बल्ब बीएसईएस काउंटरों पर जमा कराने पर उन्हें 5 रूपये से 12 रूपये तक की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। उल्लेखनीय है कि खराब सीएफएल/ बल्ब वापस लेकर, बीएसईएस उनके सुरक्षित डिस्पोजल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है ताकि पर्यावरण को कोई नुकसान न पहुंचे। गौरतलब है कि यह मुहिम फिनोलेक्स के सहयोग से शुरू की जा रही है। यह एक आईएस/ आईएसओ 9001 कंपनी है।

इसी सिलसिले में, आज दिल्ली सचिवालय के ऑडिटोरियम में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ऊर्जा व वित्त मंत्री डॉ एके वालिया ने बीएसईएस की ताजा कॉरपोरेट सोशल रेस्पांसिबिलिटी से संबंधित पहल को एक आकर्षक कार्यक्रम के दौरान लॉन्च किया। इस मौके पर उपस्थित अन्य प्रमुख हस्तियों में शामिल थे– दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री अरविंदर सिंह लवली, परिवहन मंत्री श्री हारून युसुफ और बीएसईएस, फिनोलेक्स और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी।

इस अनोखी पहल को लॉन्च करने के लिए बीएसईएस का धन्यवाद करते हुए डॉ एके वालिया ने कहा– यह देखकर अच्छा लगता है कि बीएसईएस, दिल्ली सरकार की बिजली बचाओ मुहिम में सकिय रूप से भारीदारी कर रही है। मैं सभी भागीदारी पार्टनरों व नागरिकों से एक बार फिर अपील करता हूं कि बिजली बचत के लिए वे आगे आएं, जो कि वक्त की जरूरत है।

श्री हारून युसुफ ने कहा– इस बात की तारीफ की जानी चाहिए कि बीएसईएस सिर्फ बिजली बचत के लिए सीएफएल के उपयोग को ही बढ़ावा नहीं दे रही है, बल्कि उनके सुरक्षित डिस्पोजल पर भी काम कर रही है। ऐसी स्कीम्स से बिजली की बचत तो होगी ही, साथ ही हानिकारक कार्बन डायऑक्साइड के उत्सर्जन में भी कमी आएगी।

श्री अरविंदर सिंह लवली के मुताबिक, गर्मियों में यहां बिजली की मांग में काफी बढ़ोतरी हो जाती है, फिर भी इस बार अच्छे मौसम की वजह से मांग काफी कम है। इस तरह की पहल से मांग में और कमी आएगी, साथ ही ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी आएगी। बीएसईएस उपभोक्ताओं को इस ऑफर का पूरा लाभ उठाना चाहिए।

बहरहाल, इस अनोखी स्कीम के तहत, बीएसईएस उपभोक्ताओं को सीएफएल की खरीद पर भारी छूट मिलेगी। 20 वॉट के दो सीएफएल खरीदने पर उपभोक्ता को 140 रूपये का फायदा होगा। उन्हें 200 रूपये में ये दो सीएफएल उपलब्ध कराए जाएंगे। उसी तरह, 15 वॉट के दो सीएफएल खरीदने पर उन्हें 110 रूपये का फायदा होगा। ये दो सीएफएल 150 रूपये में मिलेंगे। इसके अलावा, 11 वॉट के दो सीएफएल की खरीद पर उन्हें 105 रूपये की छूट मिलेगी। ये दो सीएफएल 135 रूपये में खरीदे जा सकते हैं। बीएसईएस के एक अधिकारी के मुताबिक, उपभोक्ताओं के फीडबैक के आधार पर, सभी तीन रंगों में सीएफएल उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

यही नहीं, पुराने/ खराब (टूटे हुए नहीं) सीएफएल को बीएसईएस ऑफिसों में लगे फिनोग्लो काउंटरों पर जमा कराने वाले उपभोक्ताओं को, दो सीएफएल का पैक खरीदने पर 5 रूपये से 12 रूपये तक की अतिरिक्त छूट भी मिलेगी। देखें चार्ट–

शेष अगले पृष्ठ पर ....

वॉटेज	दो सीएफएल के पैक के लिए विशेष कीमत (रूपये)	दो सीएफएल के पैक पर बचत (रूपये)	पुराने/ खराब *सीएफएल* जमा करने पर अतिरिक्त छूट (रूपये)	पुराने/खराब *बल्ब* जमा करने पर अतिरिक्त छूट (रूपये)
20 W (= 100 W)	200	140	12.00	8.00
15 W (= 75 W)	150	110	9.00	6.00
11 W (= 60 W)	135	105	8.00	5.00

नियमित रूप से अपना बिल चुकाने वाले सभी बीएसईएस उपभोक्ताओं के लिए यह स्कीम खुली है। बीएसईएस के एक अधिकारी के मुताबिक, इस स्कीम का लाभ उठाने के लिए बीएसईएस उपभोक्ता हमारे 33 कस्टमर केयर सेंटरों और 33 कैश काउंटरों पर लगे खास कियॉस्क पर अपना हालिया बिजली बिल दिखाकर इस स्कीम का लाभ उठा सकते हैं। खास बात यह है कि उपभोक्ता कितने भी सीएफएल खरीद सकते हैं, उस पर कोई पाबंदी नहीं है। गौर करने वाली बात यह भी है कि इन काउंटरों से खरीदे गए सीएफएल पर एक साल की रिप्लेसमेंट वॉरंटी भी होगी। यह स्कीम छह महीने तक चलेगी।

इस अनोखे ऑफर को अपने उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए बीएसईएस ने फिनोलेक्स कंपनी के साथ समझौता किया है। यह कंपनी अपने केबल के लिए दुनियाभर में जानी जाती है और यह एक आईएस/आईएसओ 9001 कंपनी है। कंपनी के फिनोग्लो सीएफएल आईएसआई मार्क्ड हैं और ये फिनोलेक्स के पुणे स्थित कारखाने में बनाए जाते हैं।

विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि एक पुराने बल्ब को बिजली देने के कम में, एक पावर प्लांट 10 एमजी मरकरी उत्पन्न करता है, जबकि एक सीएफएल के लिए वह सिर्फ 2. 4 एमजी मरकरी उत्पन्न करेगा।

फिनोलेक्स के एक अधिकारी के अनुसार, फिलोलेक्स सीएफएल बनाने के लिए नवीनतम तकनीक एमैल्गम का उपयोग करता है, जिस वजह से ये सीएफएल पर्यावरण के लिए अनुकूल हैं। फिनोलेक्स सीएफएल को बनाते वक्त सिर्फ 4 एमजी मरकरी का इस्तेमाल होता है। उसमें भी, सीएफएल जलने के दौरान 3 एमजी मरकरी का उपयोग हो जाता है और सिर्फ 1 एमजी मरकरी ही बचती है।

बीएसईएस के सीईओ अरूण कंचन का कहना था– बीएसईएस देश की पहली ऐसी बिजली वितरण कंपनी है, जो सीएफएल के सुरक्षित डिस्पोजल के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। आधुनिक तकनीकों की बदौलत यह संभव हो पाया है कि इन दिनों सीएफएल में काफी कम मात्रा में मरकरी का उपयोग होता है। सीएफएल में जितनी मरकरी पाई जाती है, वह घर में रखे थर्मोमीटर में मौजूद मरकरी के चार सौवें हिस्से के बराबर है, डेंटल फाइलिंग के दौरान लगने वाली मरकरी के सौवें हिस्से के बराबर है, और कलाई घड़ी की बैटरी में मौजूद लिथियम में मिलने वाली मरकरी के पांचवें हिस्से के बराबर है।

बीएसईएस सीईओ के मुताबिक, सीएफएल के इस्तेमाल से सिर्फ बिजली की ही बचत नहीं होगी, बल्कि उपभोक्ताओं को आर्थिक लाभ भी होगा। एक सीएफएल के उपयोग से साल भर में आप 321 रूपये से 525 रूपये (वॉट पर निर्भर होगी बचत) तक की बचत कर सकते हैं।

फिनोलेक्स ग्रुप के एमडी श्री दीपक छाबड़िया कहते हैं– हम बीएसईएस के साथ जुड़कर, और बिजली बचत व हानिकारक कार्बन डायऑक्साइड गैसों की मात्रा में कमी लाने के उनके मिशन में भागीदार बन कर, गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अधिक से अधिक बीएसईएस उपभोक्ता इस अनोखे ऑफर का लाभ उठाएंगे।

बीएसईएस के एक अधिकारी ने विभिन्न अध्ययनों के हवाले से बताया कि यदि दिल्ली में सभी जगह सीएफएल लग जाएं और लोग अपने बिजली उपकरणों को स्टैंड बाय मोड में रखने के बजाए, उन्हें मेन स्विच से ऑफ करने लगें, तो शहर में 625 मेगावॉट बिजली की बचत हो सकती है।

बीएसईएस प्रवक्ता ने बताया कि बिजली बचत की दिशा में, हाल के दिनों में यह बीएसईएस का दूसरा बड़ा कदम है। इससे पहले बीएसईएस की *एक सीएफएल खरीदो, एक मुफ्त पाओ* योजना काफी सफल रही थी और उसके तहत 4 लाख से अधिक सीएफएल बेचे गए थे। इतने सीएफएल से दिल्ली में बिजली की मांग में 25 मेगावॉट की कमी आई और वातावरण में कार्बन डायऑक्साइड उत्सर्जन में, 1.44 लाख टन की सालाना कमी आई।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: प्रशान्त दुआ
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999870 / 9312007822

चंद्र पी कामत
कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस– 39999642 / 9350130304